



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

**General Instructions**

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भर जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1447625

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : NEERAJ SONGARA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

Hindi

तारीख  
Date

27 - Aug - 2023

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)  
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र  
Centre Delhi - 03  
Bhai Joga Singh  
School.

निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

**प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)**

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**

Maximum Marks: **250**

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

*Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:*

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*



## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

कॉर्पोरेट गवर्नेंस से आशय निजी क्षेत्र में हितधारकों, शेयरधारकों को नीति निर्माण में शामिल करते हुए बनायी गयी नीतियों के व्यापक लाभ को सुनिश्चित करना है।

भारत में एन्जेली इनिशिएटिव की कठिनायता में कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार की अनुसंधान की गयी है।

इसका एक प्रमुख घटक ESG मैट्रिक्स है। अद्यतित प्रशासन में पर्यावरणीय, सामाजिक मानकों को शामिल करना।

ESG मानकों की आवश्यकता क्यों?

① मीन वाशिंग की बढ़ती घटनाएँ

(वास्तविकता द्वारा साफ़्टवेयर में

बदलाव कर, पर्यावरणीय दावे किये गये)



② समाज में बढ़ती असमानता,  
(शीर्ष 1% लोगों के पास 40%  
सम्पत्ति - Oxfam Report)

③ ESG मानक के लाभ

- पर्यावरण संरक्षण
- समतावादी इंजीवारी मॉडल
- सामाजिक कल्याण में जिजी वगी की भागीदारी
- व्यक्तिगत वित्त की सेवा

(निजी ~~व्यक्तिगत~~ कंपनियों द्वारा CSR  
व्यय में प्रकाशपण, SHG सहायता,  
ट्रेनिंग आदि)

यह ESG मानक गांधी जी के  
ट्रस्टीशिप सिद्धांत के भी अनुरूप है  
साथ ही इसके द्वारा समाज में  
व्याप्त असमानता को व्यापक रूप से  
हल किया जा सकता है।

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्त देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्त देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

10

" भ्रष्टाचार की संस्कृति भारतीय  
नागरिक के प्रति विश्वसंधा के समान  
है सिविल सेवकों का यह नैतिक  
उत्तरदायित्व व नैतिक कर्तव्य है कि  
वे लोगों को इस कैंगर से मुक्ति  
की दिशा दिखाये। "

— प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भ्रष्टाचार के कारण

मांग पक्ष

- सिविल सेवक उचित  
कृत्य में निर्दिष्ट  
लेने में देरी कर  
भ्रष्ट आचरण को बढ़ावा

आपूर्ति पक्ष

- अनुचित कार्यों को  
पूरा करने हेतु  
लाभ देकर।



• दबाव डाल कर  
भ्रष्टाचार को  
प्रेरित करना।

• राजनीतिक गठजोड़  
को दुरुपयोग।

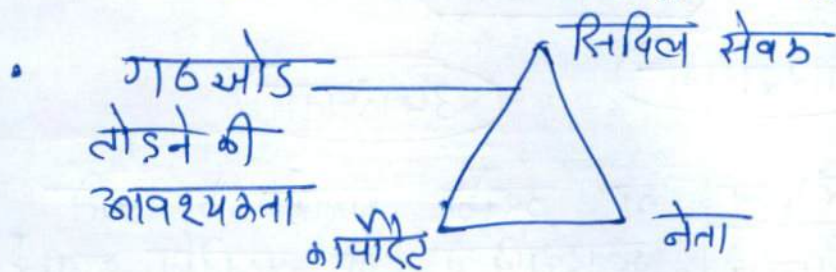
उम्मीदवारों को  
इस हार्डिंग में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

भारत में मांग पक्ष को कम करने हेतु  
प्रभावी प्रयास :-

- भ्रष्टाचार विरोधी अधिनियम
- सिविल सेवा नियम
- एजिड
- CVC, लोकपाल

मांग पक्ष पर कम ध्यान:-

- राजनीतिक दबाव को कम करना आवश्यक।
- निजी क्षेत्र के अनुचित दबाव डालने  
की प्रवृत्ति को रोकना महत्वपूर्ण।



• भारत को अधिक विकास की  
राह पर बनाये रखने समाज में युवा  
की स्थापना हेतु, क्षमता पर प्रभावी रोकथाम  
आवश्यक है।

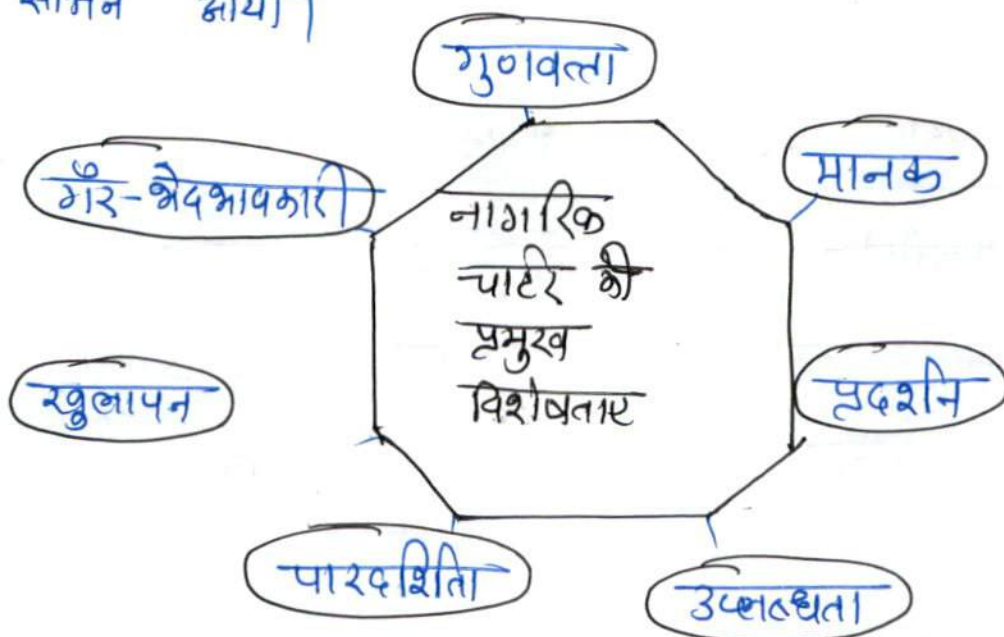
2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

नागरिक चार्टर की व्यवस्था  
मैडवरी समिति के अनुसंधानों के बाद  
सामने आयी।



यह किसी संगठन का उसके ग्राहकों के प्रति  
भारत में प्रयास। उत्तरदायित्व का प्रदर्शन करता है।

- ° 1997 - मुख्यमंत्री सम्मेलन में प्रथम बार मसौदा तैयार किया गया।
- ° राजस्थान, म.प्र. में कुछ विभागों में



अपनाया गया।

## क्रियायन की समस्याएँ: (बाधक)

- प्रशासनिक जटिलता → बदलाव के प्रति अनिच्छुक।  
→ मानव संसाधन में कमी  
→ कौशल में कमी

### • कार्यकल का रूँखा

- उत्तरदायित्व पालन में कमी
- औपनिवेशिक लक्षणों का बना होना
- प्रशिक्षण में कमी
- अद्यतन न होना
- विभिन्न में हितधारकों की भूमिका की कमी
- जटिल भाषा का उपयोग
- उपलब्ध हो पड़ का प्रावधान नहीं।

### • अन्य प्रयास

- • CPCG SIMS की स्थापना
- बजरीय  
नागरिक चार्टर का बहुत ~~हिसा~~ हिसाधक,  
सरल, अद्यतित, आसान भाषा में तैयार  
किया जाये ताकि यह लोकतंत्र में सहभागिता  
को बढ़ा सके।

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

भारत के समाज व संविधान  
के मूल्यों में निहित है - जन सेवा,  
लोककल्याण, सर्वजन हिताय, सौंदर्य।

इसी कृम में शासन में सार्वजनिक  
सेवा वितरण का न्यायपूर्ण होना महत्वपूर्ण  
हो जाता है जैसे छत्तीसगढ़ में अपनाया  
गया PDS मॉडल, व महाराष्ट्र का  
आवांनर भुगतान मॉडल।

सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के प्रमुख  
कारक :-

- गैर भेदभावकारी।
- सेवा की गुणवत्ता → मांग के साथ-साथ  
आवश्यकता पर ध्यान देना।



• ~~वर्ग~~ वर्गों का संरक्षण

↓  
जागरूकता जयन हेतु महत्वपूर्ण

• न्याय का सिद्धांत के सिद्धांत का  
पालन।

भारत में सेवा वितरण में क्षमता

• गरीबों की खाद्यान्न सुरक्षा (PM-गरीब  
कल्याण रूम्स योजना)

• मुक्त पीढ़ी सुविधा

• शिक्षा का अधिकार

• स्वास्थ्य का प्रावधान (शिक्षा + रोजगार)

रूम्स आवश्यक उपाय

① क्षमता निर्माण

न्याय के योजनागत सिद्धांत की  
अपेक्षा न्याय का वैश्वकेंद्रीत दृष्टिकोण  
रूपनाया जाये। (अन्तर्गत लेन)

सेवा वितरण की कुशलता भारत  
में सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु  
आवश्यक है।

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को  
इस कक्ष में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

परोपकार ही व्यक्ति की सबसे  
बड़ी पूंजी है जिसको जितना अधिक  
प्रयोग किया जाये यह उतना ही बढ़ता  
जाता है।

ज्ञानी व्यक्ति की विशेषता होती  
है कि वह ज्ञान को सीमित नहीं  
रखता बल्कि उसे प्रसारित कर  
इसके व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा  
देता है।

इसी क्रम में उस ज्ञान  
के साथ-साथ उस विचार का  
भी प्रसार होता है जाता है जिससे  
माध्यम से वह फैला था।



हाल ही में भारत द्वारा  
वैश्वीय मंत्री के सौदम में इसे  
समझा जा सकता है जिसके फलस्वरूप  
में केवल विश्व में कोरोना महामारी  
के प्रसार पर रोक लगी बल्कि  
भारत की ~~की~~ ~~सहायता~~ सहायता  
कनेक मंचों से की गयी।

इस प्रकार बुद्धिमान देश  
परिपक्वता में ध्यान रखकर मान  
के प्रसार को बढ़ावा देते हैं इस  
रूप में वे अपना पुष्टि स्वहित  
की प्रति के साथ-साथ अनेक  
लाभ प्राप्त करते हैं।

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को  
इस ब्लॉक में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

नैतिकता का अर्थ है नैतिक  
नियमों को चरिधार्य कर उन्हें निजी,  
सार्वजनिक जीवन में जीना।

श्री ३. निम्नलिखित में नैतिकता  
का प्रभाव व्यापक होता है वस्तुतः।  
एक नेता वह होता है जो सत्य  
का मार्ग जानता है उस मार्ग पर  
चलता है साथ ही लोगों को उस  
मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

भारत में चुनावों की शुद्धता की  
स्थापना में ई. टी. एन शोषन की  
नैतिकता का प्रभाव संगठन पर प्रभावी  
रहा।

ऐसी ही ISRO की कार्यसंस्कृति  
में शीर्ष स्तर पर नैतिक आचरण के



चलते ही महिला सशक्तीकरण के साथ  
इतने बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति की  
जा सकी है।

इसके विपरीत यदि शीर्ष  
नेतृत्व में जनैतिक जागरण को  
बढ़ावा दिया जाता है तो वह  
निम्न स्तर पर भी परिलक्षित होता  
है जैसे सफेद पोशा क्राइम के घण्टे

डूंगा। शेपर मार्केट छोड़ने ने मम्मी  
के निचले स्तर के भ्रष्टाचार को  
सागने लाया (सत्यन छोड़ना)

इसी प्रकार शासन में उच्च स्तर  
के मानक रूपाये जाना शासन में निम्न  
स्तर पर नैतिक दबाव उत्पन्न करता  
है जिसके फलस्वरूप लोकहित की प्रति  
संज्ञा है।

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke  
(Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को  
इस लिखित में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

कानून का मूल उद्देश्य "न्याय  
की स्थापना" जिसमें व्यक्ति की स्वतंत्रता,  
समानता, सहअस्तित्व, सर्वांगीण विकास  
विहित है।

इस प्रकार यह व्यक्ति के  
विचारों को प्रेरित करने वाला, नवाचार  
का समर्थन करने वाला होना चाहिए  
स्वतंत्रता का बाधक नहीं होना चाहिए

भारत में स्वतंत्रता पूर्व उस की  
स्वतंत्रता पर कंकुश, नागरिक अधिकारों  
का कानून, रोलैट एक्ट, IPC द्वारा  
नागरिक अधिकारों को सीमित किया  
गया जो वही पनों अधिकारों के  
भी खत्म कर दिया। इस पूरी प्रक्रिया



मेरे कानून से थे किंतु, संवैधानिक  
नैतिकता का अभाव था।

उम्मीदवारों को  
इस हिसाब में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

स्वतंत्र भारत के संविधान  
में मूल अधिकार नीति निदेशक  
तत्वों को समाहित करने हुए

न्याय की व्यापक अवधारणा को  
स्थापित कर स्वतंत्रता का संरक्षित  
करने का प्रयास हुआ।

हालांकि, कुछ उतिबंधात्मक  
प्रभावधान भी देने रहे किंतु, ~~लक्ष्य~~  
इसका लक्ष्य ~~की~~ भी व्यक्ति के  
अधिकारों की रक्षा ही है।

इस प्रकार कानून के  
उद्देश्यों में यदि स्वतंत्रता सीमित  
भी होती है तो भी इसका अंतिम  
लक्ष्य अन्य व्यक्तियों के अधिकारों  
का संरक्षण ही है।

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस खंड में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

## विश्व में सफल व्यवसायियों

द्वारा दान देने की प्रथा को विशेषज्ञों द्वारा परोपकारी पूँजीवाद की संज्ञा दी गयी है।

हाल में बारेन बफेट, बिल गेट्स ~~कॉर्पो~~ ~~वे~~ ~~माके~~ जुकरबर्ग ~~कॉर्पो~~ द्वारा ऐसा किया जा चुका है।

परोपकारी पूँजीवाद के लाभ:



- संसाधनों का पुनर्वितरण
- गरीबी निवारण
- सामाजिक न्याय
- क्षमता विकास
- प्रेरणा

- आर्थिक सुरक्षा
- गुडविल
- कानून के कार्पोरेट हित
- सकारात्मक छवि



## कौलोचना

• सरकारी नीतियों में हस्तक्षेप  
(NDO 5 का प्रयोग)

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

- उच्च शिक्षा में
- सरकारी दफ्तियों में कमी
- नये बाजार की तलाश में किया गया कार्य
- उपयोगितावादी दृष्टिकोण

भारत में प्रयासः → विधिक प्रावधान →

• CSR के माध्यम से।

~~• धार्मिक~~

• धार्मिक दान।

• उदाहरण - अजीम प्रेमजी, सुधा कुलकर्णी

• भारत में यह प्रयोग के साथ-साथ  
दुर्भाग्य के चार प्रमुख से जुड़ा जाता  
है।

• भारत की सांस्कृतिक भावना में निहित  
है - सत्तों पर शुद्धि।

इस प्रकार के प्रयासों के

व्यापक स्तर का ध्यान में रखकर ~~इन~~  
ऐसे कार्यों की सहायता की जानी-  
अचित है।

4. (b)

चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस ब्लैंक में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

AI का विचार स्पनात्मकता  
के साथ-साथ विद्वंस भी अपने भीतर समाहित किये जा चुके हैं।

AI से जुड़े नैतिक मुद्दे :-

निष्पक्षता → AI एक वृहद डेटा सेट पर कार्य करता है जिस डेटा में व्यक्ति के अपने प्रवृत्ति निहित हैं। फलतः प्राप्त परिणाम भेदभाव पूर्ण हो चुके हैं। (USA में सशस्त्र अपराधियों की सूची में BLACK व्यक्ति को AI द्वारा अधिक बार पकड़ा जाना)

पारदर्शिता :- AI मॉडल के डेटा सेट में पारदर्शिता का अभाव है।



## • नौकरी की सुरक्षा

- ठम नौशल कार्यों को करने में सक्षम।
- साफ्टवेयर क्षेत्र में साफ्टवेयर डेवलपमेंट कार्यों में सक्षम।
- कम्पनियों की रिसर्च टीम पर विभ्रिता में कमी।

## उभाव

- असमानता में वृद्धि।
- प्रवृत्ति।
- गैर-भेदभावपूर्ण।

## सुधार

- सभी रूतधारकों के महय वाली विमर्शी।
- वैश्विक नीति निर्माण (आरत - RAISE फ्रेमवर्क)

कई नौ तकनीक अपने आप में नैतिक या नैतिक नहीं उपयोगकर्ता की भावना अधिक महत्वपूर्ण हैं कतः सुधार मानव को नैतिक ज्ञान पर केंद्रित होना चाहिए।

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हद्दिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

स्वामी समाज के जनक  
दयानंद सरस्वती के देश में वैदिक  
संस्कृति का प्रभाव व्यापक था जो  
उन्के विचारों में परिलक्षित होता  
है।

शिक्षा पर विचार और प्रासंगिकता :-

- व्यक्ति के नैतिक उत्थान पर बल  
प्रयोग परीक्षण के माध्यम से शिक्षा
- एंग्लो वैदिक कालेज की स्थापना।
- भारतीय ज्ञान व पश्चिमी शिक्षा का  
समन्वय। (नयी शिक्षा नीति में पंचकोश शिक्षा)

सामाजिक समानता पर विचार और प्रासंगिकता :-

- जाति प्रथा का खण्डन।
- सभी के कल्याण की बात की।



० व्यक्ति को कार्य करने कोबाल जाति की प्रेरणा दी।

० महिला शिक्षा का समर्थन

वर्तमान समय में ~~व्यक्ति~~ भी बना जातिवाद, महिलाओं का दमन, ~~अ~~ को ~~वही~~ सुधार कर नारी सम्मान की स्थापना में उनके विचार महत्वपूर्ण हैं।

नैतिक विचार:-

- ० सत्य का पालन,
- ० सत्यगिरि पर बल।
- बुद्धिमानता, कल्याणकारी कार्य का समर्थन।
- ० सर्व जनहित
- ० वंचित वर्ग की सेवा।
- ० कठिना, दया, समानुभूति।

वर्तमान समय में बढ़ती असमानता, ~~व्यक्ति~~ सामाजिक वैयक्तिक के समाधान हेतु उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं जो व्यक्ति, समाज, - देश - विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम्" को साकारित करने की प्रेरणा देते हैं।

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :  
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

लोक सेवा के प्रति पूर्ण  
आस्था का भाव। हाल ही में कीर्ति जल्मी  
द्वारा इसमें बड़ा सै पीड़ित लोगों  
की सेवा करने के दौरान यही भाव  
का प्रदर्शन किया।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

लोक सेवा में वितरण न्याय की स्थापना  
में यह सिद्धांत महत्वपूर्ण है भारत  
में वित्त आयोग द्वारा इस सिद्धांत  
को राजस्व वितरण का आधार बनाया  
जाता है।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

- निर्णय में पारदर्शिता, व न्याय  
की स्थापना की पूर्ण शर्तों में से  
एक वस्तुनिष्ठता है।
- भारत में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा  
इस सिद्धांत को महत्वपूर्ण माना  
गया है।

उम्मीदवारों को  
इस हार्डिंग में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin



- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता  
Tolerance in pluralistic societies

बहुलवादी समाजों में

सहिष्णुता के माध्यम से हम एकता

के बिना एकता व विश्वव्यपकता

के बिना विविधता को सुनिश्चित  
कर सकते हैं।

अर्थ - धर्म की स्थापना

अर्थ - सुलह - ए - कुल की नीति

- (v) लोक सेवा में करुणा

Compassion in public service

लोक सेवा में करुणा की भावना  
विविध परिस्थितियों में भी कार्य  
करने को प्रोत्साहित करती हैं।

• तेलंगाना में ± A-5 दिल्या देवराज

का 3 माह में गोड़ी बाधा

सीख नक्सल प्रभावित क्षेत्र की

महिलाओं से सीधा संपर्क स्थापित

करना इसका उदाहरण है फलतः

वह जिला रुब समाजिक तनावों से  
मुक्त हो चुका है।

उम्मीदवारों को  
इस हार्डिंग में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

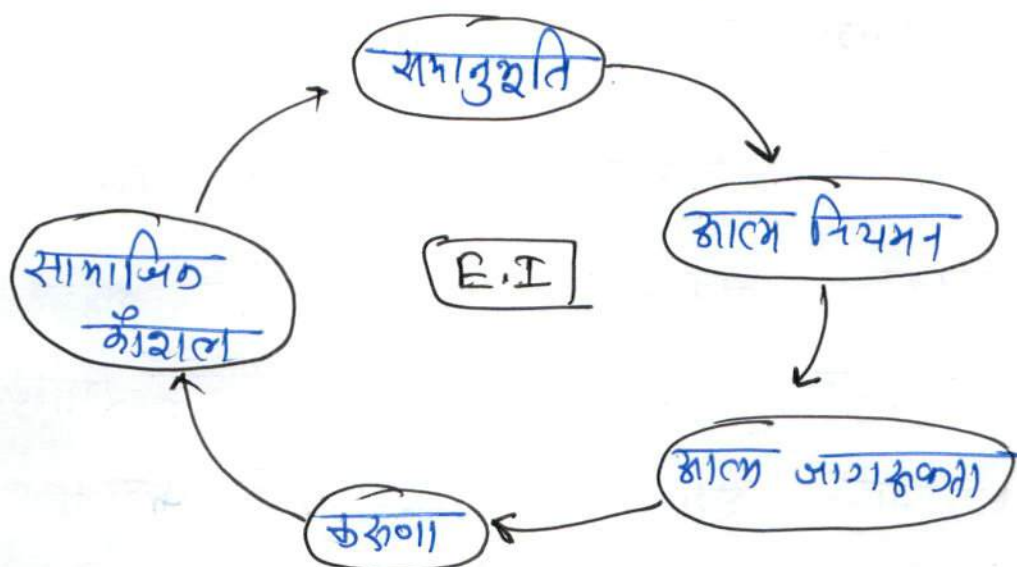
Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हस्ताक्षर में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

डेनीयल गोलमेन व सेलेवी के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता का माशय स्वयं के व अपने मास-पास के विचारों को समझ अपने हित के अनुकूल पुतिरुया देने की पट्टति से है।

यह केवल भावना या बुद्धिमत्ता नहीं अपितु हृदय अपध्वारणा है।



गांधी जी भावनात्मक बुद्धिमत्ता का



प्रमुख उदाहरण है वस्तुतः न केवल  
उन्होंने गीता के ज्ञान का व्यवहारिक  
प्रयोग किया बल्कि अपने आपसा  
के परिवेश को आप कर सामान्य  
लोगों से जुड़ाव को बढ़ा गहरा किया।

पैदावर कार्य में ई० के लाभ :-

- रीन आपना। ( अफगाणल प्रेस में जम्माई गई  
द्वारा तस्करों का सामना)
- कई लक्ष्यों की प्राप्ति।  
(ISRO अहमदाबाद स्थित, व शुक्रगुरु  
अहमदाबाद - के शिवन द्वारा इसका प्रकाश  
प्रयोग किया गया)
- सुधार की प्रेरणा
- तनाव प्रबंधन

रोजगारी में ई० के लाभ

- तनाव प्रबंधन,
- निजी रिश्तों में सुधार।
- बेहतर स्वास्थ्य।
- पारिवारिक वातावरण में शांति

ई० का गैराल एक माध्यम  
से व्यक्ति को भी महानतम कार्य करने  
की प्रेरणा देता है।

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

10

जवाबदेही का आशय कार्यों से उत्पन्न परिणामों के प्रति उत्तरदायित्व से लिया जा सकता है।

वर्तमान जवाबदेही तंत्र की कमियाँ :-

- प्रक्रियागत प्रणाली पर महत्व।
- वास्तविक बहुरूपों की अनदेखी।
- सिस्टम केंद्र में।
- लोगों के परिधि के बाहर रखा जाना।

हानि :-

- ① सार्वजनिक हित की हानि।
- ② वितरणात्मक न्याय में कमी।
- ③ वंचित वर्ग के कल्याण का लक्ष्य अधुरा।



## ग्राभीण स्वशासन व्यवस्था

मैं यह स्थिति स्पष्ट दिखवाई  
पड़ती है जहां २३ वे संविधान संशोधन  
द्वारा कार्यभार ले दिया गया  
फिर वित्तीय साधनों के अभाव में  
जवाबदेही लेने में असमर्थ हो  
रहा है।

इसी प्रकार PRA 2006  
के क्रियापयन में भी इसी प्रकार  
की समस्या का सामना करना पड़  
रहा है।

### सुधार के प्रयास

- ① विकेदीकृत उत्तरदायित्व  
का सिद्धांत अपनाया  
जाये।
- बहुत हितधारक रणनीति  
अपनाकर बहुत ही  
साधक अर्थों पर कार्य किया जाये।

ज्ञातन में जवाबदेही " शासन  
के नैतिक आपराध" को बनाये रखने के  
लिए आवश्यक है ताकि जन सेवा के हित रूप  
की सुविधा की जा सके।

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.



With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?  
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को  
इस हार्शिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

उपरोक्त प्रकरण व्यक्ति की  
निजता व तकनीक के संभावित  
गुटि के गंभीर नकारात्मक परिणामों  
को रेखांकित करता है।

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे:-

① निगरानी कैमरों द्वारा निगरानी:-

- ↳ निजता के उल्लंघन को बढ़ावा
- ↳ पुलिस राज्य की स्थापना (1984)

② पीड़ित महिला का पक्ष

- ↳ भ्रूणपाट के चलते स्वास्थ्यिक- शारीरिक हानि
- ↳ महिला वर्ग के स्वतंत्र विचारण स्वायत्तता में कमी की संभावना।

(iii) तकनीकी सुरि के नकारात्मक प्रभाव :-

↳ व्यक्ति की गरिमा पर प्रहार

↳ प्रवृत्ति

(iv) सामाजिक नैतिकता

↳ क्षारीय व्यक्ति के परिवार से  
अपेक्षा (पाप से दूना किंतु, पापी से  
नहीं - गोधी जी) उचित नहीं।

(v) प्रशासन द्वारा सलकीता में कमी :-

• तकनीक के संभावित सुरियों को  
गिरफ्तारी पूर्व ध्यान रखा जाना  
आवश्यक।

(vi). गिरफ्तार व्यक्ति

↳ स्वतंत्रता का प्रमन।

↳ अनैतिक गिरफ्तारी।

↳ मानसिक तनाव

(b). इस प्रकार की तकनीकी के प्रयोग  
से पूर्व संभावित सुरियों को भी



ध्यान में रखा जाये।

• एक निश्चित SOP का पालन किया जाये।

• अन्य स्रोतों से पुष्टि।

• भ्रष्टाचारिक आपराधिक स्थिति में गिरफ्तारी।

• संभावित आरोपियों की जानकारी जांच खत्म होने तक निजी रखी जाये।

• पुष्टास्वामी वाद के निष्पत्ति को ध्यान में रखकर वापसी की जाये।

• त्वरितता के बजाय गुणवत्ता को केन्द्रित किया जाये।

↳ तकनीकी अन्यत्र का प्रसार किया जाये।

• सायबर फिजिकल तंत्र की स्थापना।

उपरोक्त प्रकार में एक अन्य  
उपाय के रूप में पुलिस तथा  
द्वारा विदेशी व्यक्ति के संबंध  
में जानकारी सभी मंचों (सोशल  
मीडिया, TV -) आदि पर प्रसारित  
की जाये ताकि उसकी गरिमा  
पुनर्स्थापित की जा सके।



रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटरन के रूप में काम कर रहे थे। इंटरनशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरनशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।  
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?  
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.  
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.  
(Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को  
इस कश्चिपु में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

उपरोक्त केस अध्ययन माध्यम  
से जुड़ी नैतिक दुविधाओं को सामने  
लाता है जिसमें कुछ हद तक प्रवृत्ति  
और प्रवर्धना की श्रमिका स्पष्ट  
दिखाई पड़ी है।

⑥ रीना के संशय दुविधा:-

- पाइस प्रेसीडेंट (V8) के साथ कार्य करने पर रिश्तियों का सामना करना पड़ सकता है।
- बेस्तर रोजगार विकल्प या सामाजिक प्रवर्धना।
- कार्य पर प्रभाव
- सहकर्मियों से संबंधों में परिवर्तन।



## ⑥ रीना के पास उपलब्ध विकल्प

उम्मीदवारों को  
इस कॉलम में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

① मौकरी से इस्तीफा ।

**लाभ** → अनावश्यक तनाव से बच सकेगी।

**हानि** → बेस्तर आवसर • खो सकती है।  
→ पूर्वधारणा पर निर्णय अनुचित।  
4 दीर्घकालिक हानि।

② VP से सीधे बात करें।

**लाभ** → स्थिति में स्पष्टता।

**हानि** → VP से संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं।  
→ औपचारिक प्रक्रिया पालन करने का दण्ड भुगतना पड़ सकता है।

③ प्रबंधक को अपनी बात रखे।

**लाभ** → औपचारिक प्रक्रिया।

→ स्थिति में सुधार की संभावना अधिक।

→ VP की स्थिति उचित पाये जाने पर अन्य लोगों पर उचित कार्यवाही संभव

हानि → प्रबंधक द्वारा VP पर दबाव का नकारात्मक प्रभाव रीना पर भी हो सकता है।

①. उसके द्वारा तृतीय विकल्प को चुना जाना उपयुक्त होगा क्योंकि ऐसा करना —

①. ~~विधिक~~ संस्था के नियमों के अनुरूप हैं।

② VP के आचरण पर कोई भी सख्त नहीं है अतः प्रबंधक के समझ बात आने पर इस दिशा में स्थिति और बेहतर होगी।

③ ~~VP~~ प्रबंधक के द्वारा स्थिति के अनुरूप विधिक कार्यवाही भी संभव (POSM म्व-2013)



④. इंटरनेल जॉन की व्यवस्था भी संभव है।

⑤. रीना अन्य सहकर्मियों की बातों की शिकायत भी कर सकती है।

इस प्रकार तृतीय विकल्प  
व्यवहारिक नीतिशास्त्र की दृष्टि से  
अधिक उपयुक्त होगा इसके  
चलते यह अन्य लोगों के लिए  
भी प्रेरणा बन सकेगी।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

उपरोक्त वाद में भारत के राज्यों की स्थिति को प्रदर्शित किया है जो लचर कार्यवाही, अनैतिक आचरण, भ्रष्ट आचरण को स्वीकार्यता को दर्शाती है जिसका समाज व कर्मचारियों पर व्यापक दुष्परिणाम होता है।



## नैतिक मुद्दे:

उम्मीदवारों को  
इस हार्शिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

- ① शिक्षा का अधिकार बनाम परीक्षा की शुचिता।
- ② लोक व्यवस्था बनाम सार्वजनिक हित
- ③ सार्वजनिक नैतिकता का उल्लंघन।
- ④ समाज में व्याप्त कृष्ट आचरण परिवार के सदस्यों द्वारा नकल को प्रोत्साहित किया गया शिक्षा के मौलिकता को नष्ट करता है।
- ⑤ सत्यनिष्ठा का अभाव → झूठा अधिभारों द्वारा कार्य के प्रति अनिष्ठा (हड़ताल) की धमकी।
- ⑥ कर्तव्य पालन का अभाव।
  - ५० माता - पिता, रिश्तेदार → प्रथम पाठशाला की स्थिति।
  - ५० प्रशासन → लोक व्यवस्था बनाने में असफल।
- ⑦ ईमानदारी का अभाव।

## ⑥ समस्या समाधान के प्रयास

उम्मीदवारों को इस लिफाफे में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

- पर्यवेक्षक को कर्तव्य पालन की वाध्यता बनाने हेतु पण्ड व पुरस्कार की नीति का अपनाया जाना चाहिए। (ग्रुप कर्मचारियों पर कार्यवाही ईमानदारी का ईनाम -लोकसेवक कॉफ़ की मंथ)
- तकनीक का प्रयोग (जैमर,)
- माता-पिता की मीटिंग लेकर भावनात्मक कौशल के द्वारा नकल के दीर्घकालिक बुकलान को समाप्त करने का प्रयास।
- नकल करने वाले गिरफ्तार पर प्रभावी व संगठित कार्यवाही।
  - ↓
  - रक्षा विभाग
  - पुलिस विभाग
- कर्मियों को सुधार का अपसर ~~का~~ प्रदान किया जाये।



- मकल के बुकसान के बसाकर  
सार्वजनिक सुविधा को सुनिश्चित  
करने का प्रयास
- शिक्षा क्षेत्र में सुधार (अभिग  
पावरी को बन करने का प्रयास)

## ① दीर्घकालिक रणनीति

① अपरसंस्करण में सुधार।

↳ प्रतिबंधात्मक व निवारक  
उपायों का प्रयोग

ECTV, केंद्र, गाँव - सिम्योरिटी

② प्रविष्ट की कतिरिस्त गश्त)

③ लक्ष्मी का प्रयोग

• जंगल का प्रयोग

• परीक्षा केंद्रों की डूने से

निकार निगरानी

• परीक्षा पेपर की UPS ट्रेकिंग  
(वाहन की)

शिक्षा का महत्वपूर्ण लक्ष्य  
समाज में बेहतर नागरिक  
बनाना है जो विवेक शक्ति,  
लार्किक, नैतिक हो इसलिए  
आवश्यक है कि शिक्षा में प्राप्ति में  
नैतिक आचरण को अपनाया जाये।



गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- (a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- (b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.



Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?  
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हार्डिग में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

उपभोक्त प्रकरण विकास बनाम  
संधारणीयता या पारिस्थितिकी संरक्षण के  
विवाद को दर्शाता है जहां लाभ  
और सतत विकास में संघर्ष की  
स्थिति उत्पन्न हो रही है।

नैतिक मुद्दे :-

① राष्ट्रीय हित की सुरक्षा या पर्यावरण  
संरक्षण :-

स्थान गतिविधियों के व्यापक लाभ  
किंतु, पर्यावरण क्षति का झोका  
गंभीर किया गया है।

• अर्थव्यवस्था को संभावित लाभ किंतु  
व्यापसंगत बटवारा सुनिश्चित नहीं



० जलवायु परिवर्तन का अध्ययन संबंध में चिंता उत्पन्न कर रहा है।

स्वतंत्र व वैज्ञानिकों द्वारा सैद्धांतिकता पर शोध में कमी की स्वीकार्यता।

② ~~व्यापक~~ व्यावसायिक नियमों में देरी के राष्ट्र को नकारात्मक प्रभाव।

③ पारदर्शिता का प्रभाव।

④ समावेशी लक्ष्यों की जाति संबंधिता।

⑤

⑥ ①. व्यापक शोध व मानचित्रण

आवश्यक -

① सर्वप्रथम छोटे - स्तर पर खनन या निष्कर्षण कार्य किया जा सकता है।

② परिणामों का स्वतंत्र आकलन।

- ③ लाभ साझाकरण पर ध्यान दिया जाये।
- ④ एक विशिष्ट क्षेत्र की स्थापना की जाये जिसमें समुद्री पारिस्थितिक संरक्षण प्रयासों को समर्थन दिया जाये (CAMPA के समान)
- ⑤. भागीदारी को सुनिश्चित किया जाये।  
(लाभ का व्यापक वितरण)
- ⑥ स्वच्छ प्रौद्योगिकी का प्रयोग।
- ⑦ प्रभावी शैविक पर्यवेक्षण कोकलन।

इस प्रकार सतत विकास लक्ष्य को केंद्र में रखकर कार्य करना गोष्ठीवादी नीतिकला के भी अनुरूप होगा जिसके अनुरूप



प्रकृति सभी मनुष्य की आवश्यकता  
की पूर्ति कर सकती है किंतु  
किसी एक व्यक्ति के लोभ  
को नहीं। अतः उपरोक्त कथन  
को ध्यान में रखकर कार्य करना  
लाभकारी रहेगा।

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different



religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
  - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
  - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)
- 20

उपरोक्त पाठ में द्वाभिक पहलू  
के साथ - साथ पचदिरणीय संघरणीयता  
का विषय प्रमुख है तो वही दो  
अलग - अलग समुदायों का विवाद  
में शामिल होना लोक व्यवस्था  
की समस्या भी उत्पन्न हो सकता  
है

## ④. निष्ठा के आधार :-

- सत्यनिष्ठा का पालन।
- प्रवृत्ति से दूरी।
- वस्तुनिष्ठता।
- व्यापक हित में निष्ठा किंतु स्वल्पमत के उचित बातों का सम्मान।
- पारदर्शिता का पालन।

- ⑥. लाभ → पर्यटन को बढ़ावा।  
→ रोजगार सृजन।  
→ विविध के अनुसार उचित।  
→ राज्य में वृद्धि।

### हानि

- लोक व्यवस्था का संकट।
- सामाजिक असंतोष में वृद्धि।
- शांतिपूर्ण वातावरण में कमी।
- टकराव का भेद चलाकर बड़ी हिंसा को जन्म दे सकता है।



(2)

**लाभ** → स्थानीय भाषाओं का समर्थन।

- विश्व में कमी।
- संघारणीयता बनी रहेगी।
- संभावित पर्यावरणीय क्षति रोक जाएगी।

**हानि** • पर्यावरण की हानि → राजस्व में कमी।

- रोजगार निम्नलिखित में कमी
- अल्प वर्ग के विचारों के अधिकार, धार्मिक मान्यता पर प्रहार
- ↳ भारतीय नैतिक दृष्टि - सर्वधर्मसमभाव के विपरीत।
- समावेशिता के संभावित प्रयासों को रोक जाये समान।

(3)

**लाभ** → दोनों पक्षों के धार्मिक अधिकारों को मान्यता।

- तनाव में कमी।
- सम्बन्ध में सुविधा।
- पर्यावरण संरक्षण।
- लोक व्यवस्था का सुचारु बना रहना।
- ~~हफ्ते~~ 4 दैनिक नियमों का पालन।
- ग्रीड भाड़ में कमी।

हानि एक पक्ष के दबाव में—  
भाकर की आपसी हो सकता है  
झगड़े को भागों में बँटा दें।

- दृष्टि मित्रता के अधिक <sup>संभावित</sup> लाभ में कमी।

इस प्रकार उपरोक्त पाद  
में भारतीय दर्शन की अवधारणा  
सर्वोपरि सम्मान के अनुरूप आपसी  
ही ~~है~~ उचित रहेगी।



आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- (a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- (b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- (c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant



that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- (a) What are the ethical issues in the above situation?  
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?  
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त पाद व्यक्ति के  
पिजी विल व सार्वजनिक आनांसो  
के मध्य संघर्ष को प्रदर्शित करती  
है।

नैतिक मुद्दे :-

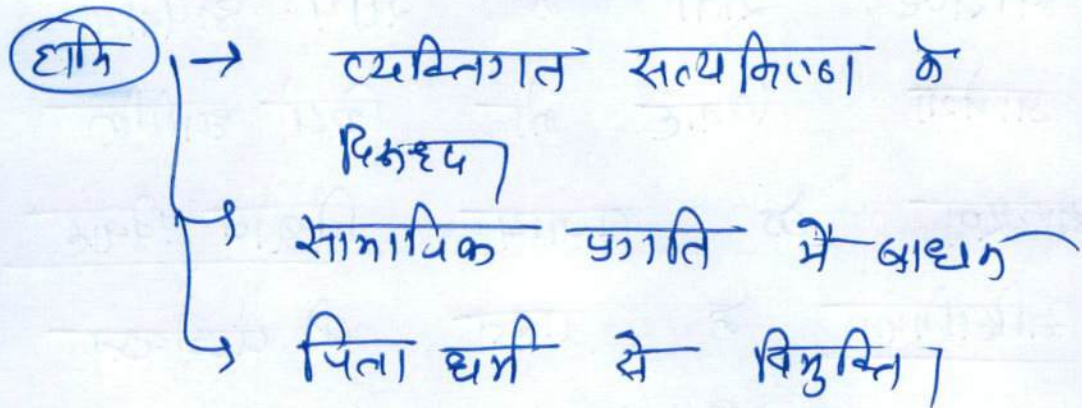
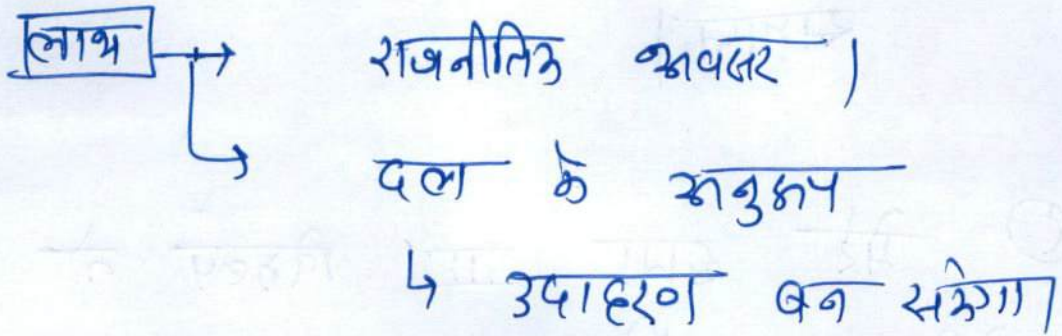
- ~~बेटी~~ बेटी की वैचारिक स्वतंत्रता को मान्यता।
- समाज में व्याप्त रुढ़ीवाद।
- राजनीतिक शुद्धता में कमी  
    ↳ छात्रों के नाम पर राजनीति।
- राजनीतिक महत्वकांक्षा बनाम  
    पिता का हित।



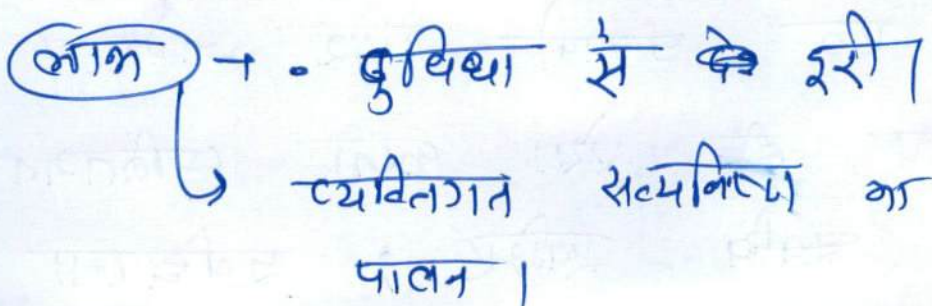
- व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा का पालन।
- सार्वजनिक मैसिकता का दखान।

### उपलब्ध विकल्प:-

- ① बेटी के निरुपि को बदलने का प्रयास।



- ② बेटी के निरुपि का सम्मान।



• समाज में उदाहरण बन सकेगा।

(हामि) → के राजनीतिक मंच पर से  
हामि।

9. पद प्राप्त कर  
~~के~~ ~~व्यक्ति~~ सार्वजनिक  
सेवा करने का अवसर  
समाप्त।

(C) मेरे द्वारा III विकल्प को  
विशिष्ट शर्तों के साथ अपनाया  
जायेगा विवाह को किसी धार्मिक  
आचरण के बजाय विशेष विवाह  
अधिनियम के तहत की पंजीकृत  
कराया जाये।

इससे धार्मिक रुढ़ीवादी समूहों  
को एक सकारात्मक संदेश जायेगा।  
• साथ ही ऐसा करना व्यक्तिगत  
मत ~~व्यक्ति~~ प्रकट ; प्रवर्धना



मे सुधार की भी प्रेरणा  
देंगे।

उम्मीदवारों को  
इस दृष्टि में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

ऐसी कार्यवाही से मेरे  
राजनीतिक कैरियर पर चाहे प्रश्नचिह्न  
लगे किंतु, आगे अनेक राजनीतिक  
संभावना देंगी जहां मे मेरे  
व्यक्तिगत हित व सार्वजनिक  
हित में एकता स्थापित  
कर सार्वजनिक व्याप की स्थापना  
में सहयोग दे सकूंगा।

## SPACE FOR ROUGH WORK



## SPACE FOR ROUGH WORK

## SPACE FOR ROUGH WORK

AL